ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

सितंबर परीक्षा (2024-25)

कक्षा :-नौवीं

विषय : हिंदी

SET-A

समय: 3 घंटे . **कुलांक-80**

सामान्य निर्देश:-सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।.

प्रश्न संख्या	प्रश्न	अंक
1.	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:-** सौदागर कुछ भी खरीद सकते हैं, पर क्या वह जानता है ? दुनिया में सभी चीजें खरीदी नहीं जातीं! महँगा पलंग खरीद सकते हैं पर नींद नहीं- व्यंजन खरीद सकते हैं पर भूख नहीं -संवेदना का मूल्य कहाँ रहा तभी तो किसी ने कहा -सपने वे बड़े नहीं होते, जो सोने के बाद आते हैं सपने वे बड़े होते हैं, जो सोने नहीं देते । अपने वे नहीं होते हैं ,जो रोने के बाद आते हैं, अपने वे होते हैं ,जो रोने नहीं देते । आपने कभी- कहीं देखा? संवेदना स्टोर्स, अपनत्व सेंटर, अहसास कॉर्नर, यह सब दिल के अंदर रखा जाता है, जो न बेचा जाता है और न खरीदा जाता है। हम आज सुविधा के लिए सब कुछ खरीदना चाहते हैं पर तैयार नहीं असुविधा के लिए –हम समर्थ हैं, हेलीकॉप्टर से केदारनाथ - बद्रीनाथ जा सकते हैं। पर क्या ईश्वर के करीब आ सकते हैं? अमीरी का टेंशन उसी समय तक है -जब तक गरीबी है। अगर रोते चेहरे पर सैकड़ों खर्च कर मुस्कान आएगी- तो उस दिन आपकी खरीदारी सफल हो जाएगी। i) सौदागर गाँठ में पैसा होने पर भी नहीं खरीद सकता है कथन पढ़कर सही विकल्प को चुनें । क) तिजोरी का जेवर। ख) महँगी - महँगी साड़ियाँ ग) नींद और भूख घ) किताबें और उपहार ii) कथन (अ) और कारण (स) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । कथन (अ) "सपने वे बड़े होते हैं, जो सोने नहीं देते" का आशय है कारण (स) महान लक्ष्य मानव को निरंतर कर्मशील बनाए रखते हैं । क) कथन (अ) सही है कारण (स) गलत है ख) कथन (अ) गलत है और कारण (स) सही है ग) कथन (अ) सही है और कारण (स) की सही व्याख्या करता है घ) कथन (अ)सही नहीं है और कारण (स) गलत है। iii) कविता में उसी व्यक्ति को अपना माना गया है, जो क) रोने के बाद संवेदना प्रकट करता है ख) रोने के क्षणों में आँसू पोंछता है	1×3=3 2×2=2

	ग) रोने के कारणों का निवारण करता है घ) साथ रोता है लघुत्तरीय प्रश्नोत्तर:- iv) 'संवेदना का मूल्य कहाँ रहा'। इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं? v) खरीदारी की सफलता किस पर आधारित है?	
2.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:-** आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में कुछ अधिक लग गया है। भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा इस प्रश्न को सुलझाने में या स्वप्न लेने में बहुत समय नष्ट कर देता है। भविष्य के बारे में सोचिए जरूर, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी मत होने दीजिए, क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है। अतः आपकी सफलता का मूलमंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचे कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारंभ करें । वर्तमान रूपी नींव को मजबूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव बनती गई, इमारत भी अवश्य बन जाएगी जितनी मेहनत हो सके उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें। यह सोचते हुए समय खराब न करें कि हे भगवान ! मेरा क्या होगा, मैं सफल भी हो पाऊंगा या नहीं? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है समय उसे नष्ट कर देता है । वर्तमान में समय का सदुपयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है। भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिंताएं घेर लेती हैं। ये चिंताएं वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती है। मन में लगन कम होती है और लक्ष्य दूर होता चला जाता है। I.आज का विद्यार्थी अपना बहुत-सा समय किस प्रकार नष्ट कर देता है? क) खेलकूद में ख) मित्रों के साथ गपशप कर। ग) भविष्य के बारे में सोच- सोच कर घ) भविष्य बनाने में II. किस तरह की सोच से हमारा समय नष्ट होता है? क) सकारात्मक सोच से। ख) दूसरों की बातों को सुनने की आदत से ग) अपने को श्रेष्ठ मानने से घ) नकारात्मक सोच से III) समय किसे नष्ट कर देता है? क) जो समय का बहुत ध्यान रखता है। ख) जो समय पर कार्य करता है । ग) जो समय को नष्ट करता है। घ) जो समय से डरता है। लघुत्तरीय प्रश्नोत्तर:- IV) विद्यार्थी की सफलता का मूल मंत्र क्या है? V) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए तथा उसे चुनने का कारण भी लिखिए।	1×3=3 2×2=2
	(व्यावहारिक व्याकरण)	
3	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए:-** I) ' दुर्' उपसर्ग जोड़ कर एक नया शब्द बनाइए। II) 'प्रत्येक' शब्द से उपसर्ग तथा मूल शब्द अलग करें। III) 'ईन' प्रत्यय का प्रयोग करते हुए एक नया शब्द लिखिए। IV) 'लिखावट' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय अलग करें।	4
4	I)निम्नलिखित समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम बताइए। रसोईघर , परमाणु II)निम्नलिखित विग्रह किए पदों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। दस है आनन जिसके , नौ रत्नों का समूह	4
5.	**निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए-** I) नभ पर चमचम चपला चमकी। II) मधुबन की छाती को देखो सूखी इसकी कितनी कलियाँ। III) वह पाकर एक धोती, प्रतिदिन उसे धोती। IV) कनक- कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय	4

6.	**अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।** I) महिमा पढ़ने के लिए विद्यालय जा रही है। II) शायद छात्र कक्षा में शांतिपूर्वक बैठे हैं। III) मैंने यह फूलदान नहीं तोड़ा है। IV) वाह! कितना सुंदर चित्र है।	4
	पाठ्य पुस्तक आधारित	
7.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-** रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव । जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार। पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे। जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे। I)इस काव्यांश की कवयित्री और कविता का नाम लिखिए। क) मीराबाई-पद। ख) मीराकांत-वाख। ग) ललद्यद-वाख। घ) महादेवी वर्मा-वाख II)काव्यांश में 'कच्चे धागों की रस्सी' और 'नाव' का प्रतीकार्थ बताइए – क)रेशम की कच्ची डोर तथा जीवन रूपी नौका ख)मनुष्य की साँसें तथा मानव शरीर ग)मनुष्य की साँसें तथा लकड़ी की नाव। घ)इनमें से कोई नहीं III)कवयित्री के मन में बार-बार हूक क्यों उठ रही है? क)अपने प्रभु की शरण में जाने अर्थात् मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा के कारण ख)कवयित्री का अपने घर का रास्ता भूल जाने के कारण ग)उसे अपने परिवार को याद आने के कारण घ)(क) और (ख) दोनों कथन सही है IV). 'कच्चे सकोरे' का उदाहरण क्यों दिया गया है? क)पानी के बह जाने के लिए। ख)अपना काम पूरा न हो पाने के लिए ग)प्रभु प्राप्ति के लिए किए जाने वाले प्रयासों की विफलता के लिए घ)उपर्युक्त सभी कथन सही हैं V)'रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव' का क्या अभिप्राय है? क) शरीर रूपी नाव को कच्चे धागों रूपी सांसों के सहारे चलाना ख) भक्ति से ईश्वर को प्राप्त करना ग)कच्ची रस्सी के सहारे भारी नाव को खींचना। घ) (क) और (ख) दोनों कथन सही है	5
8.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए:-** तिब्बत की ज़मीन बहुत अधिक छोटे-बड़े जागीरदारों में बँटी है। इन जागीरों का बहुत बड़ा हिस्सा मठों (विहारों) के हाथ में है। अपनी-अपनी जागीर में हरेक जागीरदार कुछ खेती खुद भी कराता है, जिसके लिए मज़दूर बेगार में मिल जाते हैं। खेती का इंतज़ाम देखने के लिए वहाँ कोई भिक्षु भेजा जाता है, जो जागीर के आदमियों के लिए राजा से कम नहीं होता। शेकर की खेती के मुखिया (नम्से) बड़े भद्र पुरुष थे। वह बहुत प्रेम से मिले हालांकि उस वक्त भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था। यहाँ एक अच्छा मंदिर था; जिस में कंजुर (बुद्धवचन-अनुवाद) की हस्तलिखित 103 पोथियाँ रखी हुई थीं। मेरा आसन भी वहीं लगा। वह बड़े मोटे कागज़ पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं। एक-एक पोथी 15-15 सेर से कम नहीं रही होगी। I)तिब्बत की जागीरों का एक बहुत बड़ा हिस्सा किस के हाथ में है? क)वहाँ के किसानों के ख) वहाँ रहने वाली चीनी पलटन के ग) बौद्ध मठों या विहारों के घ) स्थानीय लागों के II)तिब्बत के जागीरदार अपनी जागीरों में किस से खेती करवाते हैं? क)वहाँ के किसानों द्वारा। ख)बेगार (मुफ्त) में मिलने वाले मज़दूरों द्वारा ग)बाल मजदूरों द्वारा। घ)कैदियों द्वारा III)वहाँ होने वाली खेती की व्यवस्था देखने वाले या मुखिया कौन होते हैं? क) बौद्ध भिक्षु। ख) मठाधीश। ग) जागीरदार। घ)पुलिस अधिकारी	5

	IV)लेखक को 'कंजुर' की हस्तलिखित पोथियाँ कहाँ मिलीं ? क) थोड्ला के मार्ग में। ख) लंड.कोर के लिए प्रस्थान का समय ग) शेकर विहार में स्थित एक मंदिर में। घ) खंडहर में V) इस गद्यांश में लेखक ने कंजुर की पोथियों की क्या विशेषताएँ बताई हैं? क) वे हस्तलिखित थीं। ख) एक-एक पोथी लगभग 15 सेर की थी। ग) वह बड़े मोटे कागज़ पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई थीं। घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं	
9.	**निम्नलिखित क्षितिज गद्य खंड पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्य में दीजिए।** क) झूरी दोनों बैलों के साथ कैसा व्यवहार करता था? ख) आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है? ग) कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो या ना हो लेकिन टीवी पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं, क्यों? घ) उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न रहने की वजह से यात्रियों को क्या डर बना रहता था?	2×3=6
10.	**निम्नलिखित क्षितिज काव्य खंड पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्य में दीजिए।** क) कबीर जी ने संसार को स्वान(कुत्ते) के रूप में क्यों कहा है? ख) कवि रसखान का ब्रज के वन ,बाग , तड़ाग को निहारने के पीछे क्या कारण है? स्पष्ट कीजिए। ग) लकुटी और कमरिया पर कवि क्या-क्या त्यागने को तैयार है? घ) बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए कवयित्री ने क्या उपाय सुझाया है?	2×3=6
11.	**निम्नलिखित कृतिका पाठ्य पुस्तक के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पाँच से सात वाक्य में दीजिए।** क) आदमी और कुत्ता दोनों को नाव में साथ में न बिठाए जाने पर उन दोनों की क्या प्रतिक्रिया हुई ।'इस जल प्रलय में'पाठ के आधार पर लिखिए तथा बताइए कि आपको इस घटना से क्या प्रेरणा मिलती है? ख)शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है- इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के प्रयासों का वर्णन कीजिए। ग) लेखिका की नानी की आजादी के आंदोलन में किस तरह की भागीदारी रही?	4×2=8
12.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:-** 1.परीक्षा के कठिन दिन संकेत बिंदु – परीक्षा की उपयोगिता, परीक्षा जीवन की कसौटी , परीक्षा में सफलता के उपाय 2. कमर तोड़ महँगाई संकेत बिंदु - महँगाई एक समस्या, महँगाई का कारण , बढ़ती महँगाई के दुष्परिणाम 3. विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट की भूमिका संकेत बिंदु- अद्भुत आविष्कार ,उपयोगिता, उचित प्रयोग आवश्यक	6
13.	अपने विद्यालय की विशेषताएँ बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। **अथवा** दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण परीक्षा देने में असमर्थता प्रकट करते हुए अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखिए।	5
14.	**दिए गए संकेतों के आधार पर लघु कथा को पूरा कीजिए।** बहुत समय पहले एक गाँव में हरिहर नाम का एक दयालु और सीधा-साधा किसान रहता था। वह बहुत परिश्रमी था।वह अपनी इच्छापूर्ति हेतु थोड़ा-थोड़ा धन बचाता रहता था ।एक दिन ..... **अथवा** 'मेहनत का फल' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए।	5
15.	विद्यालय में छुट्टी के दिनों में भी प्रातः काल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु एक सूचना लिखिए।	4

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

सितंबर परीक्षा (2024-25)

SET-B

कक्षा :-नौवीं

विषय : हिंदी

समय: 3 घंटे . **कुलांक - 80**

सामान्य निर्देश:-सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रश्न संख्या	प्रश्न	अंक
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:-** एक अंग्रेज डॉक्टर का कहना है कि किसी नगर में दवाई से लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है। हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। यह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन शक्ति बढ़ाती है, रक्त का संचालन करती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि यह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉक्टर ह्यूड कहते हैं कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार थे। संसार-त्यागी हो गए थे। वे कहते थे कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा। I. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य हँसी से नहीं होता? क) पाचन शक्ति का बढ़ना ख) रक्त का सही संचार। ग) पसीना आना घ) अस्वस्थ होना II. कारलाइल ने निम्नलिखित में से क्या नहीं कहा? **क**) जी से हँसो तुम्हें अच्छा लगेगा। ख)अपने मित्र को हँसाओ वह अधिक प्रसन्न होगा। ग)अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। घ)शत्रु को हँसाओगे वह घृणा करेगा III. डॉक्टर ह्यूड ने कौन-सी बात कही है? क) हँसी एक शक्तिशाली दवा है। ख) जीवन की मीठी मदिरा है। ग) आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। घ) इनमें से कोई नहीं। लघुत्तरीय प्रश्नोत्तर:- IV) अंग्रेज डॉक्टर के कथन का क्या तात्पर्य है? V) हँसी को लेखक ने क्या बताया है तथा क्यों?	1×3=3 2×2=4
2.	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:-** जन्म दिया माता-सा जिसने ,किया सदा लालन-पालन, जिसके मिट्टी-जल से ही है ,रचा गया हम सबका तन । गिरिवर नित रक्षा करते हैं, उच्च उठा के शृंग महान, जिसके लता-द्रुमादिक करते हमको अपनी छाया दान। माता केवल बाल-काल में निज अंक में धरती है, हम अशक्त जब तलक, तभी तक पालन-पोषण करती है। मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्युपर्यंत, जिसके दया-प्रवाहों का होता न कभी सपने में अंत।	1×3=3 2×2=4

	मर जाने पर कण देहों, के इसमें ही मिल जाते हैं, हिंदू जलते, यवन-ईसाई शरण इसी में पाते हैं। ऐसी मातृभूमि मेरी है स्वर्गलोक से भी प्यारी, उसके चरण-कमल पर मेरा तन-मन-धन सब बलिहारी ।। I).'जन्म दिया माता-सा जिसने' यहाँ 'जिसने' से तात्पर्य है- क) माँसे ख) मातृभूमि से ग) पिता से घ) (क) और (ख) दोनों सही II) कथन (अ) और कारण (स) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । कथन (अ) "हिंदू जलते,यवनईसाई शरण इसी में पातेहैं"। कारण (स) मातृभूमि किसी से भेदभाव नहीं करती। क) कथन (अ) सही है कारण (स) गलत है ख) कथन (अ) गलत है और कारण (स) सही है ग) कथन (अ) सही है और कारण (स) की सही व्याख्या करता है घ) कथन (अ)सही नहीं है और कारण (स) गलत है। iii) गिरिवर हमारी रक्षा किस प्रकार करते हैं? क) अपने शिखर को उठाकर ख) छाया प्रदान करके ग) गोद में लेकर घ) भोजन प्रदान करके लघुत्तरीय प्रश्नोत्तर:- iv) 'इस पद्यांश में कवि ने अपनी किसइच्छा को व्यक्त किया है? v) धरती माँ से हमें क्या-क्या प्राप्त होता है?	
	(व्यावहारिक व्याकरण)	
3	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए:-** I) 'प्रति' उपसर्ग जोड़ कर एक नया शब्द बनाइए। II)'दुर्भावना' शब्द से उपसर्ग तथा मूल शब्द अलग करें। III) 'आहट' प्रत्यय का प्रयोग करते हुए एक नया शब्द लिखिए। IV)'प्रभावित' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय अलग करें।	4
4	I) निम्नलिखित समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम बताइए। मुरलीधर , पंचतंत्र II) निम्नलिखित विग्रह किए पदों का समस्त पद बनाकर समास कानाम लिखिए। शरण में आगत, कालीमिर्च	4
5.	**निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए-** I) देखिसुदामा कीदीनदशा। II) मधुबन की छाती को देखो सूखी इसकी कितनी कलियाँ। III) कबीरा सोईपीरहै जोजानेपरपीर। IV) कालीघटा काघमंड घटा।	4
6.	**अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।** I) होसकता है मोहन घर चला गया हो। II) राजा राम नेपिता के वचनों कापालन किया। III) वाह! कितना स्वादिष्ट खाना है। IV) हमें अन्यायको सहन नहीं करना चाहिए।	4

	पाठ्यपुस्तक आधारित	
7.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-** थल-थल में बसता है शिव ही, भेद न कर क्या हिंदू मुसलमां। ज्ञानी है तो स्वयं को जान, वही है साहब से पहचान I) इस काव्यांश की कवयित्री और कविता का नाम लिखिए। क) मीराबाई-पद। ख) मीराकांत-वाख। ग) ललद्यद-वाख। घ) महादेवी वर्मा-वाख II) कवयित्री के अनुसार ईश्वर कहाँ रहता है? क) ईश्वर सर्वत्र व्याप्त है ख) ईश्वर आकाश में रहता है ग) ईश्वर पूजा घर में रहता है घ) ईश्वर तीर्थ स्थान में व्याप्त है III) ईश्वर को किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है? क) कठिन तपस्या के द्वारा। ख) हठयोग द्वारा ग) आत्मज्ञानी बनकर घ) हवन, व्रत आदि करके IV). इस काव्यांश में साहिब शब्द का क्या अर्थ है क) साहब ख) ईश्वर ग) सहायता घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं V) इस काव्यांश के आधार पर कवयित्री ने मनुष्य को क्या संदेश दिया है? क)धर्म के आधार पर भेदभाव न करके सबको एक समझने का ख) जाति के आधार पर भेदभाव करने का ग) सामाजिक आधार पर एक हो जाने का घ) क्षेत्र विशेष के आधार पर भेदभाव करने का	5
8.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए:-** वह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है। फरी कलिङ्◦पोङ्◦ का रास्ता जब नहीं खुला था, तो नेपाल ही नहीं हिन्दुस्तान की भी चीजें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थीं। यह व्यापारिक ही नहीं सैनिक रास्ता भी था, इसलिए जगह-जगह फौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं, जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी। आजकल बहुत से फौजी मकान गिर चुके हैं। दुर्ग के किसी भाग में जहाँ किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है, वहाँ कुछ घर आबाद दिखाई पड़ते हैं। ऐसा ही परित्यक्त एक चीनी किला था।वहाँ हम चाय पीने को ठहरे।वहाँ जाति -पाँति छुआछूत का सवाल ही नहीं है और नही औरतें पर्दा करती हैं।बहुत निम्न श्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते ,नहीं तो आप बिल्कुल घर के भीतर चले जा सकते हैं। I) फरी कलिङ्◦पोङ्◦ का रास्ता खुलने से पहले तिब्बत जाने के लिए किस मार्ग का प्रयोग किया जाता था? क) भारत से होकर जाने वाले रास्ते का। ख) चीन से होकर जाने वाले रास्ते का (ग) नेपाल से होकर जाने वाले रास्ते का। घ) चीन और नेपाल के रास्ते का II) इस रास्ते में जगह-जगह क्या बना हुआ है? क) झुग्गी झोपड़ियाँ। ख) व्यापारिक संस्थान ग) फौजी चौकियाँ और किले घ) फौजी मकान III) लेखक और उनके मित्र चाय पीने के लिए कहाँ ठहरे? क) चीनी किले में। ख) दुर्ग के बाहरी हिस्से में ग) सहयात्री के घर घ) होटल में IV) तिब्बती समाज की प्रमुख विशेषता इनमें से कौन सी नहीं हैं ? क) वहां जाति-पाँति का भेदभाव और छुआछूत नहीं है। ख) वहां के लोग अतिथि सत्कार में कुशल हैं। ग) वहाँ औरतें पर्दा नहीं करती हैं। घ) वहाँ निम्न श्रेणी के भिखमंगों को भी अंदर आने दिया जाता है। V) प्रत्यक्ष चीनी किलो में आजकल किसने अपना बसेरा बना लिया है? क) फौजियों ने ।ख) किसानों ने ग)चोर और डाकुओं ने घ) सेना के अधिकारियों ने	5

9.	**निम्नलिखितक्षितिज गद्यखंड पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्य में दीजिए।** क) दो बैलों की कथा पाठ में बैलों के माध्यम से कौन से नीति विषयक मूल्य उभर कर आए हैं किन्हीं दो का वर्णन करें ? ख) प्रतिष्ठा के अनेक रूप होते हैं, चाहे वे हास्यास्पद ही क्यों न हो ? उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर इसका आशय स्पष्ट करें? ग) कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो या ना हो लेकिन टीवी पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं, क्यों? घ) लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?	2×3=6
10.	**निम्नलिखित क्षितिज काव्य खंड पर आधारितकिन्हीं तीन प्रश्नोंके उत्तरदो से तीन वाक्य में दीजिए।** क) कवि ने ईश्वर प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है? ख) कवि रसखान ने ब्रजभूमि के प्रति अपने प्रेम को किन-किन रूपों में अभिव्यक्त किया है। ग) लकुटी और कामरिया पर कवि क्या-क्या त्यागने को तैयार है? घ) बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय बताया है?	2×3=6
11.	**निम्नलिखित कृतिका पाठ्य पुस्तक के आधार परकिन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पाँच से सात वाक्य में दीजिए।** क) अच्छा है कुछ भी नहीं है, मेरे पास।अगर लेखक के पास टेप रिकॉर्डर और मूवी कैमरा होता और टेप रिकॉर्डर और मूवी कैमरा न होता , तो दोनों बातों में क्या अंतर आता।'इस जल प्रलय में'पाठ के आधार पर लिखिए? ख)शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है- इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के प्रयासों का वर्णन कीजिए। ग) लेखिका की नानी की आजादी के आंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही?	4×2=8
12.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:-** 1. विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट की भूमिका संकेत बिंदु – अद्भुत आविष्कार, उपयोगिता , उचित प्रयोग आवश्यक 2. परीक्षा के कठिन दिन संकेत बिंदु - परीक्षा की उपयोगिता ,परीक्षा जीवन की कसौटी ,परीक्षा में सफलता के उपाय 3. समाचार पत्रों की भूमिका संकेत बिंदु-समाचार पत्रों का महत्व ,समाचार पत्रों के पहुँच,लोकतंत्र में समाचार पत्रों की भूमिका	6
13.	योगासन का महत्व बताते हुए छात्रावास में रह रहे अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए। **अथवा** ग्रीष्मावकाश में विद्यालय में अभिरुचि कक्षाएँ लगवाने की प्रार्थना करते हुए अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखिए।	5
14.	**दिए गए संकेतों के आधार पर लघु कथा को पूरा कीजिए।** एक बार एक गाँव में एक सीधा-साधा किसान रहता था। उसके पास काफी ज़मीन थी।वह किसान बहुत परिश्रमी था। उसके चार आलसी बेटे थे। एक दिन ..... **अथवा** 'मेहनत का फल' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए।	5
15.	विद्यालय में हिंदी पत्रिका के लिए लेख ,कविता, निबंध आदि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत करने की सूचना देते हुए एक सूचना लिखिए।	4

कक्षा नौवीं

विषय हिंदी

अंक विभाजन एवं उत्तर संकेत **अधिकतम अंक 80**

निर्देश- यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा है परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड क		
1	I)ग.नींद और भूख II) ग.कथन अ सही है और करना कि सही व्याख्या करता है III) ग. रोने के कारणों का निवारण करता है। IV)अब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का दर्द अनुभव नहीं करता(स्वेच्छा से) V) जब रोते हुए चेहरे पर मुस्कान आएगी (स्वेच्छा से)	1 1 1 2 2	7
2.	I)ग. भविष्य के बारे में सोच सोच कर II) घ. नकारात्मक सोच से III) ग. जो समय को नष्ट करता है IV) समय का सदुपयोग करना परिश्रम करना(स्वेच्छा से) V) समय का सदुपयोग ,यह चुनने का कारण है क्योंकि विद्यार्थी के जीवन में समय का बहुत महत्व होता है उसे व्यर्थ के कामों में समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए	1 1 1 2 2	7
	खंड -ख (व्यावहारिक व्याकरण- 16अंक)		
3.	I)दुर्भाग्य, दुर्गम...।।। II) प्रति (उपसर्ग) ,एक(मूल शब्द) III) नमकीन, रंगीन...। IV) लिख (मूल शब्द) , आवट (प्रत्यय)	1 ½+½ 1 ½+½	4
4.	I) रसोई के लिए घर ,तत्पुरुष समास परम है जो अणु, कर्मधारय समास II) दशानन, बहुव्रीहि समास	1 1 1	4

	नवरत्न, द्विगु समास	1	
5.	I) अनुप्रास अलंकार II) श्लेष अलंकार III) यमक अलंकार IV) यमक अलंकार	1 1 1 1	4
6.	I) विधान वाचक वाक्य II) संदेह वाचक वाक्य III) निषेध वाचक वाक्य IV) विस्मयादिबोधक वाक्य	1 1 1 1	4
	खंड -ग(पाठ्य पुस्तक-30अंक)		
7.	I)ग. ललद्यद -वाख II)ख. मनुष्य के साँसे तथा मानव शरीर III) क. अपने प्रभु की शरण में जाने अर्थात मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा के कारण IV)ग. प्रभु प्राप्ति के लिए किए जाने वाले प्रयासों की विफलता के लिए V) क. शरीर रूपी नाव को कच्चे धागों रूपी सांसों के सहारे चलाना।	1 1 1 1 1	5
8.	I) ग. बौद्ध मठों या विहारों के II) ख. बेगार में मिलने वाले मजदूरों द्वारा III) क. बौद्ध भिक्षु IV) ग. शेकर विहार में स्थित एक मंदिर में V) घ. उपर्युक्त सभी कथन सही है	1 1 1 1 1	5
9.	क) झूरी दोनों बैलों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता था, वह उन्हें जानवर नहीं वरन परिवार का सदस्य मानता था उनके खाने-पीने वह स्वास्थ्य के प्रति सचेत था। झूरी उनसे काम भी एक हद तक लेता था कभी उन पर हाथ नहीं उठाता था। ख)आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को निम्नलिखित प्रकार से प्रभावित कर रही है: 1.आज मनुष्य खाने-पीने और पहनने की उन्हीं वस्तुओं का प्रयोग करता है, जो हम रोज़ विज्ञापनों में देखते और सुनते हैं।	2×3=6	6

	2.उपभोक्तावाद के कारण समाज के वर्गों में दूरी व असमानता बढ़ रही है। 3.सामाजिक सरोकारों का पतन हो रहा है। 4. व्यक्तिगत - केंद्रकता बढ़ रही है। 5.. नैतिक मानदंड व मान मर्यादाएं कम हो रही हैं। 6. हम दिग्भ्रमित होते जा रहे हैं। 7.परोपकार की भावना, स्वार्थ की भावना में बदल गई है। 8. भोग की इच्छाएँ आसमान को छू रही हैं जिसके कारण हमारी सामाजिक नींव हिल रही है।(कोई चार वाक्य) ग)हम उसे खरीदने के लिए लालायित होते हैं क्योंकि विज्ञापन में उस वस्तु के गुणों को बढ़ा- चढ़ाकर दिखाया जाता है तथा वस्तु को समृद्ध जीवन शैली से जोड़कर दिखाया जाता है जिससे हमारे मन-मस्तिष्क पर घैरा प्रभाव पड़ता है। प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा वस्तु की खूबियों को बताया जाना भी वस्तु को खरीदने का कारण हो सकता है। कई बार वस्तु में इतनी छूट दी जाती है कि हम उसे खरीदने के लिए तैयार हो जाते हैं। कभी छोटे - बच्चे तो कभी घर में किसी प्रिय के दबाव में के आकर हम उस वस्तु को खरीदने के लिए बाध्य हो जाते हैं। घ)उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को हमेशा अपनी जान और माल का खतरा बना रहता था। वहाँ के लोग अपना रक्षा के लिए लाठियों की तरह पिस्तौल व बंदूक लिए घूमते थे। ऐसे स्थानों पर सरकार, पुलिस तथा खुफ़िया - विभाग पर अधिक खर्च नहीं करती है। यहाँ डाकू किसी को भी आसानी से मार देते थे और फिर पैसे लूट लेते थे।		
10.	क) कबीर ने संसार को स्वान रूप इसलिए कहा है क्योंकि कुत्ते भौंकते हैं ,पर हाथी कोई ध्यान नहीं देता। वैसे ही लोग व्यर्थ की बातें करते हैं, आपकी आलोचना करते हैं, उनकी परवाह नहीं करनी चाहिए बल्कि ज्ञान ग्रहण करना चाहिए। ख) कवि श्रीकृष्ण और उनसे जुड़ी हर वस्तु से बहुत प्यार करते हैं क्योंकि वे श्रीकृष्ण के परम भक्त हैं। ब्रज के वनों, बागों और तालाबों के पास श्रीकृष्ण आया करते थे।वह इनमें गाय चराते हुए, रास लीला करते हुए सुख का अनुभव करते थे। इन सब स्थानों पर कवि श्रीकृष्ण का जुड़ाव और लगाव महसूस करते हैं तथा वहां श्रीकृष्ण के अंश का अनुभव करते	2×3=6	6

	हैं । इसलिए कवि ब्रज के वन, बाग और तलाब को निहारना चाहते है । ग)यह लाठी और कंबल सामान्य नहीं है। कवि के आराध्य श्री कृष्ण जब ग्वाले थे , तब लाठी व कंबल लेकर गायों को चराने जाते थे । उन्हें चराने में श्रीकृष्ण जी को सुख प्राप्त होता था। कवि रसखान जी भी श्री कृष्ण की लाठी व कंबल का सुख प्राप्त करना चाहते हैं। वे इसके लिए तीनों लोकों के सुखों को न्योछावर करने के लिए तैयार हैं। घ) कवयित्री ललद्यद ने कहा है कि मनुष्य को अंत: करण और बाह्य इंद्रियों पर नियंत्रण करना चाहिए। जब मनुष्य इतको काबू में कर लेता है तो उसकी चेतना शक्ति व्यापक हो जाती है और अपनी चेतना शक्ति को जगाकर ही बंद द्वार की सांकल अर्थात ईश्वर के पास जाने के द्वार को बहुत ही सरलता से खोला जा सकता है।		
11.	क) जब लेखक की नाव बाढ़ से घिरे बापसी थाना के एक गाँव में पहुंची जिसमें रिलीफ़ के डाक्टर साहब थे, तब गाँव के कई बीमारों को नाव पर चढ़ाकर कैंप में ले जाना था। एक बीमार नौजवान के साथ उसका कुत्ता भी नाव पर चढ़ आया। डॉक्टर साहब कुत्ते को देखकर भीषण भयभीत हो गए और कुत्ते को भगाने के लिए चिल्लाने लगे । बीमार नौजवान डॉक्टर साहब का यह निर्दयी स्वभाव देखकर पानी में उतर गया। नौजवान के उतरते ही कुत्ता भी पानी में कूद गया । इस घटना से पता चलता है कि दोनो के बीच आपसी प्रेमभाव तथा हमदर्दी का व्यवहार था । दोनो एक दूसरे के बहुत स्नेह करते थे। इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि पशुओं के प्रति प्रेम भाव रखना चाहिए उनसे घृणा नहीं करनी चाहिए पशु अपने मालिक से बहुत प्यार करते हैं तथा उनके प्रति वफादार होते हैं। ख)शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'- यह बात लेखिका को अपने पारिवारिक वातावरण से पता चल चुकी थी। उसने बच्चों की शिक्षा के लिए निम्नलिखित प्रयास किए: विवाह के बाद लेखिका को कर्नाटक के बागलकोट में रहना पड़ा। वहाँ बच्चों की शिक्षा के लिए उचित प्रबंध नहीं था । उसने वहाँ के कैथोलिक बिशप से स्कूल खोलने का अनुरोध किया। वहाँ इसाइयों की जनसंख्या कम होने का	4×2=8	8

	हवाला देकर वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। फिर भी लेखिका ने हार न मानी। 2.लेखिका ने कर्नाटक के स्थानीय तथा समृद्ध लोगों की मदद से एक प्राइमरी स्कूल खोला जिसमें अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ तीन भाषाएँ पढाई जाती थी। लेखिका ने इसे कर्नाटक सरकार से मान्यता भी दिलवाई। ग)लेखिका की नानी अनपढ़ तथा परदे में रहने वाली औरत थी। वह किसी दूसरे मर्द से बात नहीं करती थी लेकिन जब उसने अपनी बीमारी के चलते स्वयं को मृत्यु के करीब पाया तो अचानक परदे का लिहाज छोड़कर अपने पति से उनके मित्र स्वतंत्रता सेनानी प्यारेलाल शर्मा को बुलाने का आग्रह किया। प्यारेलाल शर्मा के आने के बाद नानी ने उनसे कहा कि मेरी बेटी के लिए वर आप ही तय करेंगे और उसकी शादी अपने ही जैसे स्वतंत्रता सेनानी से ही करवा दीजिएगा । मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी की शादी मेरे प्रति की तरह किसी साहब के साथ हो । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि नानी चाहे स्वयं कोई क्रांतिकारी न रही हो परंतु उसके मन में आज़ादी के प्रति जुनून था ।		

	खंड -घ(लेखन -20 अंक)		
12.	अनुच्छेद • भूमिका • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 2 3 1	6
13..	पत्र • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	 1.5 3.5	5
14.	कहानी लेखन • विषय वस्तु /क्रमबद्धता • भाषायी शुद्धता	 4 1	5
15.	सूचना लेखन • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	1 3	4

कक्षा नौवीं

विषय हिंदी

अंक विभाजन एवं उत्तर संकेत **अधिकतम अंक 80**

निर्देश- यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा है परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड क		
1	I)घ. अस्वस्थ होना II) घ. शत्रु को हँसाओगे वह घृणा करेगा III) ग. आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है IV) हँसी दवा के समान है यदि एक व्यक्ति हँसता है तो वह सबको हँसा सकता है यह मनुष्य के लिए बहुत लाभदायक है(स्वेच्छा से) V) शक्तिशाली दवा, क्योंकि यह पाचन शक्ति बढ़ाती है, रक्त संचालन करती है ,अधिक पसीना लाती है (स्वेच्छा से)	1 1 1 2 2	7
2.	I) ख.मातृभूमि II) ग. कथन अ सही है और कारण स की सही व्याख्या करता है III) क. अपने शिखर को उठाकर IV) इस धरती पर वह अपना तन मन धन न्योछावर करना चाहता है(स्वेच्छा से) V) धरती माँ हमें मिट्टी, जल ,पेड़ -पौधे, फल -फूल, छाया आदि देती है	1 1 1 2 2	7
	खंड -ख (व्यावहारिक व्याकरण- 16 अंक)		
3.	I) प्रत्येक,प्रत्यक्ष...।।। II) दुर् (उपसर्ग) , भावना (मूल शब्द) III) गर्माहट, घबराहट...।	1 ½+½ 1	4

	IV) प्रभाव (मूल शब्द) , इत (प्रत्यय)	½+½	
4.	I) मुरली को धारण करने वाला ,बहुव्रीहि समास पाँच तंत्रों का समूह ,द्विगु समास II) शरणागत , तत्पुरुष समास घुड़दौड़, तत्पुरुष समास	1 1 1 1	4
5.	I) अनुप्रास अलंकार II) श्लेष अलंकार III) यमक अलंकार IV) यमक अलंकार	1 1 1 1	4
6.	I) संदेह वाचक वाक्य II) विधान वाचक वाक्य III) विस्मयादिबोधक वाक्य IV) निषेधवाचक वाक्य	1 1 1 1	4
	खंड -ग(पाठ्य पुस्तक-30अंक)		
7.	I)ग. ललद्यद -वाख II)क. ईश्वर सर्वत्र व्याप्त है III) ग. आत्मज्ञानी बनकर IV)ख.ईश्वर V) क. धर्म के आधार पर भेदभाव न करके सबको एक समझने का	1 1 1 1 1	5
8.	I) ग. नेपाल से होकर जाने वाले रास्ते का II) ग. फौजी चौकियाँ और किले III) क.चीनी किले में IV) घ. वहाँ निम्न श्रेणी के भीखमंगों को भी अंदर आने दिया जाता था V) ख. किसानों ने	1 1 1 1 1	5
9.	क) कहानी में बैलों के माध्यम से निम्नलिखित नीति - विषयक मूल्य उभर कर आए हैं:(कोई चार वाक्य) 1) मुसीबत के समय हीरा, और मोती एक दूसरे का साथ देकर सच्ची मित्रता का उदाहरण देते हैं। 2)पशुओं के प्रति प्रेम भाव रखना चाहिए।	2×3=6	6

	3)औरत पर कभी हाथ नहीं उठाना चाहिए बल्कि उसका सम्मान करना चाहिए। 4)निहत्थे पर कभी वार नहीं करना चाहिए। 5)आज़ादी प्राप्त करने के लिए बार-बार संघर्ष करते रहना चाहिए । 6) भाईचारे व सहयोग की भावना रखनी चाहिए। 7) अन्याय व अत्याचार के आगे झुकना नहीं चाहिए बल्कि उसका सामना करना चाहिए। 8) अपने स्वामी (मालिक) के प्रति वफ़ादार रहना चाहिए। ख)सामाजिक प्रतिष्ठा के अनेक रूप होते हैं। कई बार तो प्रतिष्ठा की चाह में व्यक्ति अपनी पहचान बना लेता है । कोई व्यक्ति अपने फैशन वाले कपड़ो से , कोई महंगी घड़ी से , कोई पांच सितारा अस्पताल में जाकर अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने का प्रयास कर रहा है । कई लोग अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए ऐसे तरीके अपना लेते हैं जो दूसरों की दृष्टि में हास्यास्पद हों। जैसे अमेरिका में कुछ धनवान लोगो ने अपने जीते जी ही अपनी कब्र तथा उसके आस पास हरी घास , फूल, फव्वारे आदि का प्रबंध कर लिया है । ग) हम उसे खरीदने के लिए लालायित होते हैं क्योंकि विज्ञापन में उस वस्तु के गुणों को बढ़ा- चढ़ाकर दिखाया जाता है तथा वस्तु को समृद्ध जीवन शैली से जोड़कर दिखाया जाता है जिससे हमारे मन-मस्तिष्क पर घैरा प्रभाव पड़ता है। प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा वस्तु की खूबियों को बताया जाना भी वस्तु को खरीदने का कारण हो सकता है। कई बार वस्तु में इतनी छूट दी जाती है कि हम उसे खरीदने के लिए तैयार हो जाते हैं। कभी छोटे - बच्चे तो कभी घर में किसी प्रिय के दबाव में के आकर हम उस वस्तु को खरीदने के लिए बाध्य हो जाते हैं। घ) शेकर विहार में सुमति के बहुत से यजमान रहते थे । वह वहां जाकर गंडे बांटता था और बहुत सा समय लगा देता था इसलिए लेखक ने सुमति को यजमानों के पास जाने से रोका । दूसरी बार लेखक शेकर विहार के मंदिर में कन्जुर की हस्तलिखित 103 पोथियाँ पढ़ने में खो गया था और इन पोथियों को पढ़ने में लेखक को बहुत सारे समय की		

	आवश्यकता थी इसलिए उसने दूसरी बार सुमति को रोकने का प्रयास नहीं किया।		
10.	क) कबीरने ईश्वर प्राप्ति के लिए निम्नलिखित प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है : 1)मनुष्य मंदिर, मस्ज़िय में पूजा करके ईश्वर को पाना चाहता है किंतु इससे ईश्वर प्राप्त नहीं होते। 2)मनुष्य योग, वैराग्य जैसी क्रियाएँ करके ईश्वर को पाना चाहता है परंतु इससे ईश्वर नहीं मिलते । 3)भगवान को पाने के लिए किसी प्रकार के कर्मकांड, धार्मिक पूजा पाठ , आडंबरपूर्ण अथवा दिखावे की भक्ति करना व्यर्थ है। ख) ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम निम्नलिखित रूपों में अभिव्यक्त हुआ है : कवि अगले जन्म में मनुष्य रूप में जन्म लेकर ब्रजभूमि में ग्वालों के बीच रहना चाहते हैं। वह पशु के रूप में जन्म लेकर नन्द बाबा की गायों के बीच चरना चाहते हैं । यदि वह पत्थर बनता है तो वह उस गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं जिसे श्री कृष्ण ने इंद्र का घमंड तोड़ने के लिए अपनी अँगुली पर धारण किया था। वह पक्षी बनकर उस कदंब के पेड़ पर बसेरा करना चाहता है जहाँ श्रीकृष्ण बाँसुरी बजाया करते थे और रास रचाया करते थे। ग)यह लाठी और कंबल सामान्य नहीं है। कवि के अआराध्य श्री कृष्ण जब ग्वाले थे , तब लाठी व कंबल लेकर गायों को चराने जाते थे । उन्हें चराने में श्रीकृष्ण जी को सुख प्राप्त होता था। कवि रसखान जी भी श्री कृष्ण की लाठी व कंबल का सुख प्राप्त करना चाहते हैं। वे इसके लिए तीनों लोकों के सुखों को न्योछावर करने के लिए तैयार हैं। घ) कवयित्री ललद्यद ने कहा है कि मनुष्य को अंत: करण और बाह्य इंद्रियों पर नियंत्रण करना चाहिए। जब मनुष्य इतको काबू में कर लेता है तो उसकी चेतना शक्ति व्यापक हो जाती है और अपनी चेतना शक्ति को जगाकर ही बंद द्वार की सांकल अर्थात ईश्वर के पास जाने के द्वार को	2×3=6	6

	बहुत ही सरलता से खोला जा सकता है।		
11.	क) अगर लेखक के पास मूवी कैमरा और टेप रिकॉर्डर न होता तो लेखक बाढ़ के अनुभव को पूरी अच्छी तरह जीना और भोग लेता तथा उसका कलाकार मन बाढ़ के दृश्यों को अपने अंदर समेट लेता । यदि उसके पास मूवी कैमरा, टेप रिकॉर्डर या कलम होती तो वह बाढ़ का निरीक्षण करने की बजाए उसका चित्रण करने में लग जाता तब वह केवल एका दर्शक बनकर रह जाता तथा जीवन को साक्षात भोगने का अवसर उसके हाथों से निकल जाता। ख)शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'- यह बात लेखिका को अपने पारिवारिक वातावरण से पता चल चुकी थी। उसने बच्चों की शिक्षा के लिए निम्नलिखित प्रयास किए: विवाह के बाद लेखिका को कर्नाटक के बागलकोट में रहना पड़ा। वहाँ बच्चों की शिक्षा के लिए उचित प्रबंध नहीं था । उसने वहाँ के कैथोलिक बिशप से स्कूल खोलने का अनुरोध किया। वहाँ इसाइयों की जनसंख्या कम होने का हवाला देकर वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। फिर भी लेखिका ने हार न मानी। 2.लेखिका ने कर्नाटक के स्थानीय तथा समृद्ध लोगों की मदद से एक प्राइमरी स्कूल खोला जिसमें अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ तीन भाषाएँ पढाई जाती थी। लेखिका ने इसे कर्नाटक सरकार से मान्यता भी दिलवाई। ग)लेखिका की नानी अनपढ़ तथा परदे में रहने वाली औरत थी। वह किसी दूसरे मर्द से बात नहीं करती थी लेकिन जब उसने अपनी बीमारी के चलते स्वयं को मृत्यु के करीब पाया तो अचानक परदे का लिहाज छोड़कर अपने पति से उनके मित्र स्वतंत्रता सेनानी प्यारेलाल शर्मा को बुलाने का आग्रह किया। प्यारेलाल शर्मा के आने के बाद नानी ने उनसे कहा कि मेरी बेटी के लिए वर आप ही तय करेंगे और उसकी शादी अपने ही जैसे स्वतंत्रता सेनानी से ही करवा दीजिएगा । मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी की शादी मेरे प्रति की तरह किसी साहब के साथ हो । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि नानी चाहे स्वयं कोई क्रांतिकारी न रही हो परंतु उसके मन में आज़ादी के प्रति जुनून था ।	4× 2=8	8

	खंड -घ(लेखन -20 अंक)		
12.	अनुच्छेद • भूमिका • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 2 3 1	6
13..	पत्र • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	 1.5 3.5	5
14.	कहानी लेखन • विषय वस्तु /क्रमबद्धता • भाषायी शुद्धता	 4 1	5
15.	सूचना लेखन • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 2 1 1	4